ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -14 अंक - 6 जून -II, 2013 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.

धन के साथ ज्ञान का सम्मान भी बढ़ाएं

ज्ञानसरोवर। गाँव का प्रधान बनना या विधायक व सांसद बनना आसान बात है लेकिन नेतृत्व कर्ता बनना कठिन है। एक ऐसा व्यक्तित्व जिसके अंतस् में क्षमता हो व विकास की तीव्र अभिलाषा हो। ज्ञान की जगह लक्ष्मी का अधिक सम्मान होने के कारण आज ग्रामीण क्षेत्रों में भी दूध व सब्जियों में मिलावट हो रही है। राजयोग एक सशक्त व सफल माध्यम हो सकता है लीडरशिप क्वालिटी को उजागर करने के लिए।

केन्द्रीय ग्राम विकास राज्यमंत्री प्रदीप जैन आदित्य कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए। मंचासीन हैं ब्र.कु.निर्वैर, ब्र.कु.निर्मला तथा अन्य।

उक्त विचार भारत सरकार के केन्द्रीय ग्राम विकास मंत्रालय के राज्यमंत्री प्रदीप जैन आदित्य ने ब्रह्माकुमारीज ग्राम विकास प्रभाग द्वारा 'ग्रामीण नेतृत्व एवं आंतरिक क्षमता निर्माण' विषय पर आयोजित राजयोग रिट्रीट को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होने कहा कि ग्राम स्तर पर सभी की आंतरिक क्षमता को जागने का कार्य ब्रह्माकुमारी बहनें कर रही हैं। ग्राम उत्थान की अनेक सरकारी योजनाएं बनती हैं लेकिन गांव के स्तर पर क्रियान्वन न होने के कारण उसका पूरा लाभ ग्रामवासियों को प्राप्त नहीं हो पाता। किसान अन्न द्वारा सभी की पालना करता है लेकिन उनके लिए हम संवेदनशील नहीं बन पा रहे हैं।

वनस्थली विद्यापीठ के कुलपति आदित्य शास्त्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था के भाई-बहनें नैतिक मूल्यों व आध्यात्मिक क्षेत्र के नेता हैं। (शेष पेज 4 पर)

उज्जवल भविष्य के लिए बाल्यावस्था से आरंभ हो आध्यात्मिक शिक्षा

भौड़ाकला (ओम शांति रिट्रीट सेंटर)। हम कोई उम्र के हिसाब से आध्यात्मिक नहीं होते बल्कि हमें आध्यात्मिकता को स्कूल के स्तर से शुरू करना होगा। क्योंकि हम देख रहे हैं कि अपराध स्कूल के स्तर से ही शुरू हो जाते हैं। सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चे भी अपराध करने में काफी आगे हैं। आज भी अपराध हो रहे हैं उसका कारण है मानव में आध्यात्मिक मूल्यों की कमी।

ओम शान्ति रिट्रीट सेंटर। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस राधाकृष्णन, ब्र.कु.आशा, पूर्व न्यायाधीश वी.ईश्वरैय्या, ब्र.कु. बृजमोहन, इंकमटेक्स सैटलमेंट कमीशन के अध्यक्ष अखिल प्रसाद, ब्र.कु.पुष्पा, ब्र.कु.महेश्वरी व ब्र.कु.लता।

उक्त उद्गार सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस राधाकृष्णन ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा न्यायविदों हेतु 'नेशनल कनवेन्शन ऑफ ज्युरिस्ट ऑन स्प्रीचुअल प्रोडेन्स फोर पीस एण्ड हैप्पीनैस' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय सेमिनार के उदघाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होने कहा कि मूल्यों से सम्पन्न जीवन ही श्रेष्ठ है।

हैदराबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश वी.ईश्वरैय्या ने कहा कि आज समाज में जितने भी कानून बनते जा रहे हैं उतनी ही व्यवस्था बिगड़ती जा रही है, आज कानून बनाने वाले ही कानून का उल्लंघन कर रहे हैं। आध्यात्मिक मूल्यों के आधार पर ही हम अपनी सभी कार्य व्यवस्थाएँ सुचारू रूप से ठीक कर सकते हैं।

ब्रह्माकुमारी संस्था के अतिरिक्त सचिव ब्र.कु.बृजमोहन ने कहा कि भारत की न्याय प्रणाली सारे विश्व में अपने आपमें बहुत विशाल रही है लेकिन आज बहुत से कानून बनने के बाद भी न्याय प्रणाली कमज़ोर हो गई है। सतयुग में कोई कानून नहीं था न कोई न्यायालय न ही कोर्ट कचहरी फिर भी वहाँ की कार्य व्यवस्था सुचारू रूप से चलती थी क्योंकि वहाँ मानव अपने आप में सम्पूर्ण था।

इंकमटेक्स सैटलमेंन्ट कमीशन के चेयरमेन अखिल प्रसाद ने कहा कि समाज में नैतिक मूल्यों का विकास ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा ही किया जा सकता है और वे यह करके भी दिखा रही हैं। जस्टिस आर.एल.गुप्ता, पूर्व न्यायाधीश हाई कोर्ट दिल्ली ने (शेष पेज 4 पर)

ईश्वरीय आज्ञा पर चलने से बढ़ता है आत्म-बल

ब्रह्माकुमारी संस्था की आध्यात्मिक शिक्षा व राजयोग प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने आई ब्रह्माकुमारी बहनें।

दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु.शारदा, ब्र.कु.गीता, ब्र.कु.जागृति, ब्र.कु.बीना तथा ब्र.कु.ममता परिलक्षित हो रहे हैं।

शांतिवन। ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने ब्रह्माकुमारीज टीचर्स ट्रेनिंग में भाग लेने आईं ब्रह्माकुमारी बहनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ईश्वरीय आज्ञा पर चलने से हमें बल भी मिलता है व आत्मा शुद्ध भी होती है। मनमत पर चलने वालों का अहं बढ़ता ही जाता है और वे परस्पर टकराव में आते रहते हैं। मनमत से मन में न तो शीतलता आती और न दिव्यता। इस समर्पण भाव से सरलता भी रहती और निश्चिन्तता भी। (शेष पेज 8 पर)